छोटा मुँह–बड़ी बात

भागमभाग के इस दौर में कम लोग ही बचे होंगे जिनमें मोटी–मोटी पुस्तकें पढ़ने की हिम्मत है। नयी पीढ़ी के पास ना तो इतना समय बचा है और ना ही धीरज। 'छोटा मुँह–बड़ी बात' पूरे बग़ीचे की सैर करवाने के बजाय छोटे–छोटे फूलों को क़रीब लाकर आपके जीवन में ख़ुशबू बिखेरने का एक छोटा सा प्रयास है...

मीठे लफ़्ज़ों से नेकियाँ बाँटने वाले आलोक सेठी

आलोक सेठी अब तहज़ीब पसंद शहर खण्डवा की शिनाख़्त बन गए हैं। उनकी शख़्सियत में कई रंग शामिल हैं। वे एक क़ामयाब कारोबारी हैं। शून्य से शुरू होकर उन्होंने शिखर छू लिया है। ज़मानेभर की यात्राएँ उनके जुनून के रथ का एक घोड़ा है। ज़िंदगी की आधी सदी देख चुके आलोक को 50 से ज़्यादा मुल्कों की धूल, हवा और पानी ने हर चीज़ को बड़ा देखने और समझने का नज़रिया दिया है। मोबाइल पर उनका 'संडे का फण्डा' हज़ारों मित्रों के रविवार को ख़ुशगवार कर देता है। पढ़ना, सुनना, सुने हुए को गुनना और फिर उसे एक सलीक़े से पेश करना आलोक सेठी की फ़ितरत में शामिल है। वे बेहतरीन लेखक हैं। एक लाजवाब दोस्त हैं। कॉर्पोरेट, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मंचों पर उन्हें बोलते हुए सुनना सुखद है। उन्होंने प्रबंधन को पढ़ा नहीं, अपनी ज़िंदगी में जिया है। यक़ीनन आलोक सेठी मीठे लफ़्ज़ों से नेकियाँ बाँटने वाले बड़े आदमी हैं। उनके क़रीब होना, उन्हें जानना और उनके दोस्तो की फ़ेहरिस्त में शामिल होना; मुझे ख़ुशी से भर देता है।

– मुनव्वर राना

Shabdawali PRAKASHAN

■ मूल्य : रू. 200 मात्र

छोटा मुँह बड़ी बात ■ आलोक सेठी क्वालिटी

छोटा मुँह बड़ी बात

आलोक सेठी

एक आदमी में होते हैं दस बीस आदमी; जिसको भी देखना कई बार देखना

निदा फ़ाज़ली का ये शेर भाई आलोक सेठी पर एकदम फ़िट बैठता है। वे व्यवसायी हैं, एक प्यारे दोस्त हैं, कविता और नज़्में कहते हैं और अपने आसपास मौजूद अच्छाइयों को हर लम्हा बीनते रहते हैं। आलोक भाई से परिचय बहुत पुराना नहीं है लेकिन जब पहली बार मिला तो लगा कि मैं तो इन्हें बरसों से जानता हूँ। मालवा-निमाड़ के बाशिंदों में जिस तरह की बेतक़ल्लुफ़ी और सहजता होती है वही आलोक भाई की शख़्सियत में महकती रहती है। इन दिनों ज़िन्दगी को कम्प्यूटर के ज़रिये, ईमेल और मोबाइल के ज़रिये एसएमएस ने घेर रखा है और इनके द्वारा बहुत सी अच्छी बातों का आदान-प्रदान परिचित, मित्र और परिजन करते रहते हैं। दिन भर में मुझे-आपको कई संदेश मिलते हैं। हमें लगता है कि काश ! हम इन्हें सहेज लेते और कभी मौक़ा पड़ने इन्हें किसी और के साथ बाँट लेते, या पढ़ते। लेकिन आलोक सेठी और किसी और इंसान में फ़र्क़ ये है कि जब तक आप सोचते हैं, आलोक भाई कर गुज़रते हैं 'छोटा मुँह बड़ी बात' में भी ऐसा ही कुछ हुआ है। विचार बना और आपके हाथों में ये ख़ूबसूरत नज़राना।

कहते हैं दुनिया की सारी ख़राबियाँ ज़ुबान के नीचे पोशीदा (छुपी हुई) हैं... इसका मतलब ये भी है कि दुनिया को पुरसुकून और ख़ुशमिज़ाज बनाने के लिये अच्छी बातों की बड़ी अहमियत है। आलोक सेठी का यह एस एम एस संचयन दरअसल इसी बात की तसदीक करती है कि अच्छी बात से दुनिया अच्छी होती है। ज़माने की रफ़्तार और भागमभाग को देखते हुए लोगों के पास बड़े आकार के पन्नों वाली किताबों के लिये वक़्त घटता जा रहा है। .....यह संचयन यदि अपने छोटे-छोटे संदेशों से लोगों में एक बार फिर पढ़ने-पढ़ाने की आदत की ओर ले जाए तो मुझे इसमें तनिक भी आश्चर्य नहीं होगा। आलोक सेठी ने प्यार, ख़ुलूस, सकारात्मकता, जोश, हौसले की बातों के भरे-पूरे बाग़ीचे का इत्र बना कर इस छोटे और प्यारे से मजमुए की शक्ल में हमारी आत्मा पर अपने मुहब्बत का इत्र छिड़क दिया है। यह महक कई दिनों तक क़ायम रहने वाली है। आलोक सेठी ने थोड़ी कही है...आप पूरी जानना।

संजय पटेल
समीक्षक एवं संस्कृतिकर्मी

शब्दों का सफ़र

बिखरते संबंधों को जोड़ने का एक प्रयास

माँ की महिमा का अनूठा ग्रंथ

मार्मिक और प्रेरक लघु कथाएँ

अनमोल संदेशों की महक
(प्रथम संस्करण)

हिन्दी कविताओं का ताना बाना

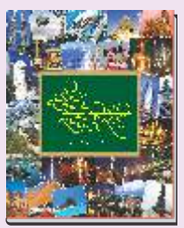

विश्व पर्यटन का रोचक दस्तावेज़

पिता के भावलोक की शब्द यात्रा

रोज़मर्रा से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

भावपूर्ण कविताओं की यात्रा

प्रत्येक रविवार आलोक का फंडा

रिश्तों की पड़ताल करती ऑडियो बुक

छोटा मुँह - बड़ी बात

छोटा मुँह - बड़ी बात

प्रथम संस्करण : मई 2010 / द्वितीय संस्करण : अप्रेल 2017

क़ीमत : ` 200/-

लेखक : **आलोक सेठी**
हिन्दुस्तान अभिकरण, पंधाना रोड, खण्डवा (म.प्र.)
tel : 0733-2223003, 2223004
cell : 094248-50000
mail : hindustanabhikaran@yahoo.co.in
web : www.aloksethi.in

प्रकाशक : **शब्दावली प्रकाशन**
गोडाउन नं. 2, अग्रवाल तौल कांटा कम्पाउण्ड
लसुड़िया मोरी, देवास नाका, ए.बी. रोड, इन्दौर
cell : 70240-50000

मुद्रक : **भैया प्रिन्टर्स,** इन्दौर (म.प्र.)
tel : 0731-2421170

सजावट : sanjay patel productions 09752526881

CHOTA MUNH BADI BAAT
by Alok Sethi
ISBN-B-978-81-934849-0-6

©
इस पुस्तक के किसी भी अंश को
बिना लेखक की अनुमति के
उपयोग में लिया जा सकता है।
स्रोत का उल्लेख करेंगे तो अच्छा लगेगा।

उम्मीद...

दुनिया के सारे लोग
अच्छे हैं
जब तक कि आप
उनसे ना करें
कोई उम्मीद...

आप भी दुनिया के लिए
बेहद अच्छे हैं
जब तक कि आप
पूरी करते रहें
उनकी उम्मीद...

प्रिय....

मुझे मालुम हैं
नहीं हैं तुम्हारी आँखें
झील जैसी नीली,
नहीं हैं तुम्हारी आवाज में
तानसेन का खनकता संगीत,
नहीं हैं तुम्हारा कद नीलगिरी जैसा,
और न ही नजर आती हैं
तुम्हारी चाल में कोई हिरणी..!
नहीं हैं तुम में चाणक्य सी चतुराई।

लेकिन
तुम्हारी आँखों में हैं
प्रेम का गहरा समुंदर,
आवाज में गुड़ की मिठास,
तुम्हारा कद बेशक हैं पलाश जैसा छोटा,
लेकिन छायादार, बहुउपयोगी।
चाल में हैं शांत नदी सी गंभीरता,
और स्वभाव में हैं वो सारी खूबियाँ,
जो होना चाहिये, एक बेहतर इंसान में

इसलिये हे प्रिये !
तुम मुझे हो सबसे प्रिय।

समर्पित

जीवन सखी
शालिनी को...
जो ज़िंदगी की राह में
हमेशा पुल ही बनी...
...दीवार नहीं।

छोटा मुँह, छोटी सी बात...

आज दुनिया में जो चीज़ सबसे अधिक लिखी जा रही है, वह है मोबाइल मैसेज और जो सबसे कम पढ़ी जा रही है, वह भी है मोबाइल मैसेज...। सामान्य भाषा में कहें तो दिन भर इतने ग़ैर-ज़रूरी मैसेज आते हैं कि पढ़कर खीज होती है। मगर कभी-कभी कोई ऐसा मैसेज भी होता है, जो ताक़तवर ढंग से संदेश दे जाता है, दिल को छू जाता है, गुदगुदा जाता है और अंदर तक भिगो देता है। जो मैसेज मुझे अच्छा लगा, ज़रूरी नहीं कि दूसरे को भी अच्छा लगे । मुमकिन है वो दूसरों के लिये अरूचिकर हो। फिर भी मैंने पसंदीदा मैसेज काग़ज़ पर लिख लिए। जब मैं इन मैसेजेज़ को नोट कर रहा था, तब इनका कोई सदुपयोग मेरे दिमाग़ में नहीं था।

एक दिन एक पुस्तक पढ़ते-पढ़ते खण्डवा के शीर्षस्थ साहित्यकार पद्मश्री स्व. रामनारायणजी उपाध्याय की कुछ पंक्तियाँ पढ़ने में आयीं । आदरणीय दादा ने लिखा था ''अच्छे विचार एकत्र करना आपका निजी शौक़ हो सकता है पर उसे अपनों के बीच बाँटना आपका सामाजिक दायित्व है'' बस, उसी क्षण मैंने ठान लिया कि मैं भी इन छोटे संदेशों को आप जैसे सारे अपनों के साथ मिल-बाँटकर आनंद उठाऊंगा। मोबाइल पर मैसेज जब भेजा जाता है, तो अधिकाशत: उसकी भाषा अंग्रेज़ी होती है। हिंदी हुई तो लिपि रोमन होती है। बात अधिक लोगों तक पहुँच सके बस इसी नज़रिये से मैंने इनका अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद करने का दुस्साहस किया है।

काग़ज़ पर लिखे इन मोबाइल संदेशों में आपको यह सुविधा होगी कि यह मैसेज मोबाइल की तरह आपको डिस्टर्ब नहीं करेंगे कि हमें पढ़िये ही सही। जब आपका जी चाहा इसे पढ़ लिया। कुछ मैसेज मैने ठीक किये है; कुछ जस के तस हैं। कुछ सूक्तिनुमा हैं तो कुछ कटूक्तियों जैसे। निवेदन है कि एक घड़ी, आधी घड़ी ये किताब पलटिएगा ज़रूर। पसंद न आने पर बंदा आपकी सारी लानतें उठाने को तैयार है... अगर इनमें से एक भी संदेश आपके मन को छू जाए तो कृपया उस शख़्सियत को दिल से दुआ दीजियेगा जिसने ये संदेश मुझ तक पहुँचाने की ज़हमत उठाई...!

आलोक सेठी

जीवन में आधी समस्याएँ सिर्फ़ इसलिये हैं कि
हम बिना सोचे कर गुज़रते हैं...
और आधी इसलिये कि हम सिर्फ़ सोचते
रहते हैं और कुछ नहीं करते...

ऐसी वैसी बातों से तो
ख़ामोशी ही अच्छी है
या फिर ऐसी बात करें जो
ख़ामोशी से अच्छी हो।

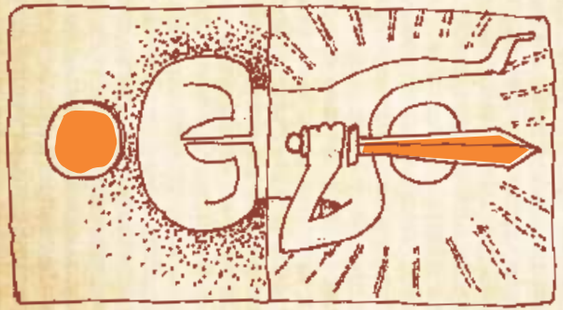

बीज जब उगता है तो कोई
आवाज़ नहीं होती पर
पेड़ जब गिरता है तो
भीषण आवाज़ होती है...
निर्माण हमेशा ख़ामोश होता है
और विध्वंस शोर-ग़ुल भरा...

मैं कल को तलाशता रहा दिनभर
और शाम होते-होते मेरा आज डूब गया

कुछ रिश्तों से इंसान अच्छा लगता है
तो कुछ इंसानों से रिश्ता अच्छा लगता है

तस्वीर और तक़दीर
एक जैसी होती है।
फ़र्क़ सिर्फ़ इतना सा है...
अगर मनचाहे रंगों से भर जाए
तो वह है तस्वीर और
अनचाहे रंगों से भर जाए
तो वह है तक़दीर।

आप जब भी अपनी टीम बना रहे हों
तब उन्हें चुनें जिन्हें जीत से प्यार हो...
यदि आप ऐसे लोगों को नहीं ढूँढ पा रहे हैं
तो कम से कम ऐसे लोग तो ढूँढ ही लीजियेगा
जिन्हें हार से नफ़रत हो।

अकेले चलिये-अगर आपको तेज़ चलना है...
यदि आपको लम्बा चलना हो तो औरों के साथ चलिये।

क्षमायाचना के मायने
यह नहीं कि आप ग़लत हैं और
सामने वाला सही...
क्षमायाचना का सीधा और साफ
संदेश है कि आपकी नज़रों में
संबंधों की क़ीमत ज़्यादा है,
अपने अभिमान की तुलना में।

असफल होना धोखा देने से
ज़्यादा अच्छा है।

अपने ख़िलाफ़ बातें ख़ामोशी से सुन लीजिए
यक़ीन मानिए वक़्त बेहतरीन जवाब देगा

ज़िंदगी भी एक उपन्यास है...
जो सस्पेंस से भरा हुआ है।
आपको कुछ भी पता नहीं लगेगा
जब तक कि आप अगला पेज
नहीं पलटेंगे...
हर दिन जीवन का नया पेज है,
पन्ने पलटते रहिये।

अच्छा सुनने से ही
अच्छा बोलने की आदत बनती है।

सफलता के लिये आपको मित्रों की ज़रूरत है
पर अपार सफलता के लिये
आपको ज़रूरत है प्रतियोगियों की।

छोटा दुःख - बड़ी बात

आप आपका
भविष्य नहीं बदल सकते...
पर अपनी आदतें बदल सकते हैं
और यह तय है कि
आपकी आदतें आपका
भविष्य बदल सकती हैं।

मैं रुपये से मिला और मैंने उससे कहा तुम तो एक काग़ज़ का टुकड़ा हो।
रुपया मुस्कुराया और कहने लगा...
हाँ हो सकता है मैं काग़ज़ का टुकड़ा हूँ
पर मैंने जीवन में कभी डस्टबिन नहीं देखी।

ख़ुद का कोई विकल्प नहीं,
ख़ुदा भी नहीं।

- मनोहर बिल्लौरे

मानव शरीर अधिकतम
45 डेल* दर्द सहन कर सकता है
पर स्त्री प्रसूति के समय 57 डेल
तक दर्द सहन करती है।
यह हाथ की एक साथ
20 हड्डियों के टूटने के
दर्द के बराबर है...
अपनी माँ के प्रति
आजीवन आभारी रहें।

* दर्द नापने की एक इकाई

आपकी चालाकी से अगर किसी का
बुरा हो रहा है तो आप चालाक नहीं, धूर्त हैं

पड़ा जो वक़्त तो
पैसे की तरह काम आए
हमारे पास भी कुछ लोग थे
कमाए हुए

छोटा मुँह - बड़ी बात

दोस्ती करना इतना आसान है
जितना मिट्टी पर
मिट्टी से लिखना
और दोस्ती निभाना
इतना मुश्किल है जितना
पानी पर पानी से लिखना।

दुनिया के लिए उदाहरण बनिए।
इसी से बदलाव होगा।
आपकी राय से नहीं।

क्षमा के तीन सबसे बेहतर तरीक़े हैं...
पहला-मैं क्षमा चाहता हूँ,
दूसरा-यह मेरी ग़लती है और
तीसरा-मैं इस ग़लती को ठीक करने के लिये क्या कर सकता हूँ ?

अधिकतर लोग तीसरी पंक्ति नहीं बोल पाते।

छोटा दुःख - बड़ी बात

जीवन में हम
जो चाहते हैं वह
आसानी से नहीं मिलता,
लेकिन ज़िन्दगी का
सबसे बड़ा सच भी यही है
कि हम वही चाहते हैं
जो आसान नहीं होता।

अपने हर लफ़्ज़ का
ख़ुद आईना हो जाऊँगा
किसी को छोटा कहकर
मैं कैसे बड़ा हो जाऊँगा।

किसी भी इंसान की ख़ुशी का कारण बनो;
ख़ुशी का हिस्सा नहीं।
किसी भी इंसान के दुःख में हिस्सेदार बनो;
दुःख का कारण नहीं।

छोटा दुःख - बड़ी बात

उपलब्धि का एक बेहतरीन
उदाहरण सचिन तेंडुलकर हैं
जो सन् 1988 में
10वीं कक्षा में फेल हो गये थे...
किंतु 2008 में उसी
कक्षा की एक
पाठ्य पुस्तक का पहला पाठ
सचिन को समर्पित है।
इसे कहते हैं... उपलब्धि।

ख़ामोशियाँ ही बेहतर हैं...
शब्दों से लोग रूठते बहुत हैं।

अगर उलझा था हमसे तो
तुम हमें सुलझा भी सकते थे
तुम्हारे हाथ में रिश्तों का
कोई तो सिरा होगा

जब तक रास्ते समझ में आते हैं
लौटने का वक़्त हो जाता है
यही ज़िंदगी है....

अगर आप सच्ची शांति चाहते हैं
तो दोस्तों से बात मत कीजिये...
बात कीजिये अपने शत्रुओं से।

एक पेंसिल से हम तीन सबक़ ले सकते हैं
पहला- आप जो भी करते हैं वह एक निशान छोड़ जाता है
दूसरा- दर्द हमेशा आपकी ताक़त को निखारता है
तीसरा- महत्वपूर्ण वह है जो आपके अंदर है, बाहर नहीं

जब भगवान आपकी समस्याएं
हल करते हैं तब आपको
उन पर विश्वास रहता है,
जब भगवान आपकी समस्याएँ
हल नहीं करते तब उन्हें
आप पर विश्वास रहता है।

'हाँ' और 'ना' ये दो ऐसे महत्वपूर्ण शब्द हैं
जिन्हें कहने से पहले हमें बहुत विचार करना चाहिये।
जल्दी **'ना'** कह देने के या
'हाँ' देर से कहने के कारण
हम बहुत से महत्वपूर्ण अवसर चूक जाते हैं।

दुःख के दस्तावेज़ हों या हों
सुख की वसीयत
ध्यान से देखा तो नीचे मिले
खुद के दस्तख़त

छोटा दुःख - बड़ी बात

हमें दूसरों की ग़लतियों से भी
सबक़ लेना चाहिए
क्योंकि हमारे पास
इतना समय नहीं है कि
सारी ग़लतियाँ हम ख़ुद करें
और सीखें।

ज़िंदगी में हर चीज़ का एक सुखद अंत है
अगर वह सुखद नहीं है तो इसका साफ़ मतलब है कि
अभी अंत नहीं है...
सिर्फ़ शुरूआत भर है।

रास्ता किस जगह नहीं होता
ये अलग बात है, हमें पता नहीं होता

थोड़ा जल सूर्य के समक्ष
भाप बनकर उड़ जाता है,
किन्तु महासागर
कतई नहीं सूखता।
मर्यादित ज़िम्मेदारियाँ
आपको थका सकती हैं
किन्तु अमर्यादित ज़िम्मेदारियाँ
आपको क्षमतावान बनाती हैं।

आप बेहतर हैं अगर आप अपनी ग़लतियाँ ढूँढते हैं।
आप महान हैं अगर आप उन्हें सुधारते या कम करते हैं।
लेकिन आप महानतम हैं अगर आप दूसरों को
उनकी ग़लतियों सहित अपनाते एवं प्यार करते हैं।

भगवान बुद्ध के द्वारा क्रोध पर दिया गया संदेश...
आप अपने क्रोध के लिये दंडित नहीं होंगे,
परन्तु आप अपने क्रोध के द्वारा दंडित होंगे।
बेहतर है, हमेशा शांत रहें।

छोटा दुःख - बड़ी बात

एक सेब में कितने बीज हैं
यह हर कोई गिन सकता है,
पर एक बीज से
कितने सेब बन सकते हैं
यह कोई नहीं गिन सकता...
भविष्य अदृश्य है...
बस! लगे रहिये...

शर्ट का पहला बटन अगर ग़लत लग गया है तो
शर्तिया सारे बटन ग़लत लगेंगे।
पहला क़दम हमेशा सावधानी से रखें...
शेष क़दम ख़ुद-ब-ख़ुद सुधर जाएँगे।

व्यापार में वृद्धि और कारोबार में समृद्धि तभी बढ़ती है
जब पैसे लेने वाले और पैसे देने वाले
दोनों के चेहरे पर एक जैसी मुस्कुराहट हो

जीवन का एक बड़ा सस्पेंस...
हम उसे तो जानते हैं
जिसके लिये हम
प्रार्थना कर रहे हैं
पर हम उसे नहीं जानते
जो हमारे लिये
प्रार्थना कर रहा है।

सैकड़ों शब्द दर्द नहीं देते
लेकिन एक प्रिय व्यक्ति की ख़ामोशी
पलकें नम कर देती हैं,
कभी भी अपने प्रियजन से अबोला मत कीजियेगा।

नये दोस्त कविताएँ हैं
पर पुराने दोस्त बारहखड़ी* हैं।
बारहखड़ी को कभी मत भूलिये क्योंकि कविता पढ़ने के लिये
तुम्हे उनकी ही ज़रूरत होगी।

(*अल्फाबेट्स)

छोटा दुःख - बड़ी बात

हमें विश्वास तोड़ने वाले का भी
आभारी रहना चाहिए
क्योंकि वही तो हमें सिखाता है कि
किसी पर भी आँख
मूँदकर भरोसा नहीं करना चाहिए

अपने आँसुओं को इतना महँगा कर दो कि कोई उसे
ख़रीदने की कोशिश न करे और
अपनी मुस्कान को इतना किफ़ायती कर दो कि वह
हर किसी के लिए उपलब्ध हो।

जब तक आप किसी चीज़ में दिलचस्पी नहीं लेते
तब तक वह दिलचस्प नहीं बनती।

छोटा दुःख - बड़ी बात

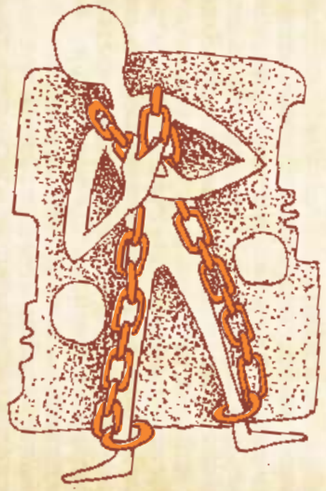

उस गुलाम को
आज़ाद कराना
नामुमकिन है
जिसे अपनी बेड़ियों से
मोहब्बत हो गई है

ईश्वर आपको प्रतिदिन 24 घंटों का एक ऐसा चेक देते हैं,
जिसे आप केवल उसी दिन भुना सकते हैं,
और उपयोग कर सकते हैं।
ऐसे ही चेक ईश्वर ने हेलन केलर, माइकल एंजिलो,
मदर टैरेसा, अलबर्ट आइन्स्टीन को भी दिए थे।

व्यक्ति जीवन समाप्त करने की सोच
लेता है, आदत समाप्त करने की नहीं।

दो व्यक्तियों में श्रेष्ठ संबंधों के लिये
किन्हीं वादों, शर्तों, नियमों की
आवश्यकता नहीं होती।
उन दोनों में सिर्फ़ दो बातों की
आवश्यकता होती है-
एकदूसरे पर विश्वास और
एकदूसरे के प्रति समझ।

संबंध कार्डियोग्राम की तरह होते हैं।
इनका ऊपर-नीचे होना संबंधों के जीवन्त होने का प्रतीक है।
अगर वह सपाट है तो इसका सीधा सा
मतलब है कि संबंध अब मृत हैं...
इसलिये संबंधों में उतार-चढ़ाव को
खुले मन से स्वीकार कीजिये।

ईश्वर को अपनी उपस्थिति बताने में संकोच होता है,
इसीलिए वह हमारे पास क़िस्मत बनकर आता है।

- नारायण मूर्ति

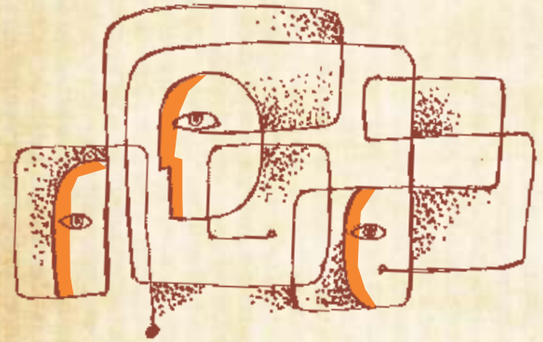

चाहतों का बढ़ना ठीक है
लेकिन उन्हें पूर्ण करने की
तीव्र इच्छा रखना और
यह सोचना कि जब वे
पूर्ण होंगी तभी हम ख़ुश होंगे,
यह एक भ्रम है।

कुछ नाते होते हैं घड़ी के कांटों की तरह
जो एक ही घड़ी में बंधकर भी लंबे समय तक मिल नहीं पाते...
मिलते भी हैं तो कुछ समय के लिये पर जुड़े रहते हैं
एकदूसरे से सदा के लिये...

गीदड़ों का वह समूह
जिसका नेतृत्व एक शेर कर रहा है,
हमेशा शेरों के उस समूह को पराजित कर सकता है
जिसका नेतृत्व गीदड़ कर रहा हो।

हर सुबह आपके सामने
दो विकल्प होते हैं;
फिर से सो जाएँ और
सुहाने सपने देखें
या फिर जाग जाएँ और
उन सपनों को साकार करें।

असंभव का मतलब यह नहीं है कि
वह संभव नहीं है इसका सीधा मतलब यह है कि
किसी ने अभी तक उसे संभव करने का
प्रयास ही नहीं किया है।

ज़िंदगी कोई आईपॉड नहीं है जो आपको
मनपसंद गीत सुनाए।
वह रेडियो है, बटन घुमाते जाइये, कहीं न कहीं,
कभी न कभी, आपको अपना पसंदीदा गाना ज़रूर सुनाई दे देगा।
सस्पैंस ज़िंदगी को रोमांच देती है, इसका मज़ा लीजिए।

छोटा दुःख - बड़ी बात

अभिमान दो धारी तलवार है
वह बाहर से आपकी
प्रसिद्धि को क़त्ल करती है
और अंदर से आपकी
शुद्धता को।

कुछ बातों के मतलब हैं ओर
कुछ बेमतलब की बातें
जब से यह फ़र्क़ समझ लिया
ज़िंदगी आसान हो गई

अगर आप अपनी ड्यूटी को सैल्यूट करते हैं
तो आपको किसी को भी सैल्यूट करने की ज़रूरत नहीं है।
अगर आप अपनी ड्यूटी नहीं निभाते
तो आपको हर किसी को सैल्यूट करने की ज़रूरत पड़ेगी।

छोटा मुँह - बड़ी बात

बेहतर और सफल ज़िन्दगी
गुज़ारने के सिर्फ़ दो तरीक़े हैं-
पहला : जो पसंद है
उसे हासिल कर लो,
दूसरा : जो भी हासिल है
उसे पसंद कर लो।

सिर्फ़ दो ही व्यक्ति हैं जो आपसे,
आपके बारे में सच कह सकते हैं।
एक वह दोस्त जिसने अपना आपा खो दिया है।
दूसरा वह दुश्मन जिसे आपसे प्यार हो गया है।

आप अपने बच्चों को विरासत में क्या दें-

वारेन बफेट कहते हैं-
उसे इतना सौंपे कि वह कुछ भी कर सके
पर इतना भी ना सौंपें कि वह कुछ भी ना करे।

दिन में कम से कम
दो व्यक्तियों को ख़ुश करने की
कोशिश ज़रूर कीजिये।
यह बात ज़रूर ध्यान रहे कि
उन दो में से एक आप ख़ुद हो...

आत्मविश्वास उसे नहीं कहते
जब आपको सारे सवालों के जवाब आते हैं।
आत्मविश्वास तब कहलाता है जब आप सारे सवालों का
सामना करने को तैयार नज़र आते हैं।

दर्शक जोकर को एक मसख़रे के रूप में देखते हैं
जबकि वह अपने आप को एक कलाकार के रूप में देखता है...

जीवन भी ठीक ऐसा ही है...
जैसा हम स्वयं को देखते हैं दूसरे उस तरह से हमें नहीं देखते।

नफ़रत का ख़ुद का
कोई अस्तित्व नहीं होता
वह केवल प्रेम की
ग़ैरहाज़िरी का परिणाम है

पेड़ की शाख़ पर बैठा पक्षी शाख़ों के हिलने
या फिर टूटने से नहीं डरता
क्योंकि वह बैठा तो शाख़ पर है
पर उसे अपने पंखों पर पूरा भरोसा है।

अगर आप आज को गुज़रे हुए कल से
बेहतर नहीं कर सकते
तो आपको आने वाले कल की
ज़रूरत ही क्यों है ?

छोटा दुःख - बड़ी बात

हमेशा याद रखिये-
दुनिया में पैसा सब कुछ नहीं है...
पर इससे पहले कि यह
ख़्याल आपके दिमाग़ में आए
आपके पास ढेर सारा पैसा
ज़रूर होना चाहिए।

जीवन का सबसे बेहतर समय वह है
जब आपका परिवार आपको मित्र समझे और
आपके मित्र आपको अपना परिवार।

लोग आपकी आलोचना करते हैं...
आपका दिल दुखाते हैं...
आप पर अपना ग़ुस्सा जताते हैं;
इन सबकी बिल्कुल चिंता मत कीजिए।
सिर्फ़ याद रखिये... हर खेल में सिर्फ़ दर्शक ही
शोर करते हैं-खिलाड़ी नहीं।

खेल दुँह-बड़ी बात

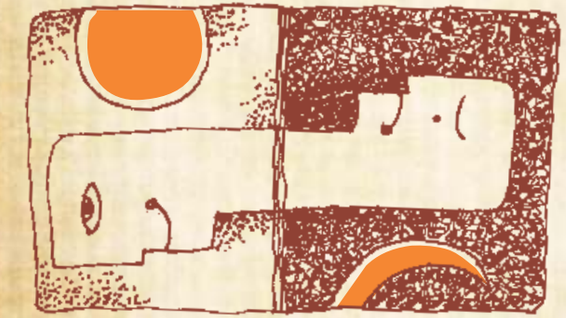

राजा ने अपने मंत्री से कहा कि
कुछ ऐसा लिखो कि जिसे मैं
ख़ुशी में पढ़ूँ तो दुःख और
दुःख में पढ़ूँ तो ख़ुशी का
अहसास हो, मंत्री ने लिखा...
'ये वक़्त भी गुज़र जाएगा।'

दुनिया की सर्वश्रेष्ठ जोड़ी है ख़ुशी और आँसू...
इनका मिलन बिरला ही होता है,
पर ये जब भी एक साथ मिलते हैं;
वह आपके जीवन का सबसे अद्भुत दिन होता है।

सिक्के हमेशा आवाज़ करते हैं
पर करंसी नोट हमेशा ख़ामोश रहते हैं।
इसलिये जब भी आपकी क़ीमत बढ़ती हो आप शांत रहें
शोर मचाने का ज़िम्मा अपने से छोटे लोगों पर छोड़ दें।

छोटा दुःख - बड़ी बात

ये मोहब्बत का
गणित है साहब,
यहाँ दो में से एक
गया तो कुछ नहीं बचता

जीवन की सच्चाई-

जूते जिन्हें हम पैर में पहनते हैं ए.सी. शोरूम में बिकते हैं
लेकिन सब्ज़ी, जिसे हम खाते हैं फुटपाथ पर बिकती है।
जिन्हें हम प्यार करते हैं वे हमें नज़रअंदाज़ करते हैं
और वे जिन्हें हम नज़रअंदाज़ करते हैं वे हमें प्यार करते हैं।

मित्र और शत्रु
स्वयं की ही परछाईयाँ हैं
मैं प्रेम हूँ तो संसार मित्र है।
मैं यदि घृणा हूँ तो परमात्मा भी शत्रु है।

छोटा दुःख - बड़ी बात

ज़िंदगी में तीन लोगों का
बहुत ख़्याल रखिएगा।

एक- जिसने तुम्हारी जीत के लिए
बहुत कुछ खोया हो (पिता)

दो- जिसको तुमने अपने
हर दुःख में पुकारा हो (माँ)

तीन- जिसने सब कुछ हारकर
आपको जीता हो (पत्नी)

यदि कोई ऐसा दिन आए
जब आपको किसी समस्या का सामना न करना पड़े
तो मान लीजिएगा
आप ग़लत दिशा में जा रहे हैं।

ज़िंदगी में कोई PAUSE बटन नहीं है
और सपनों की कोई एक्पायरी डेट नहीं है।
टाइम कभी छुट्टी पर नहीं जाता;

रिश्ते पक्षी की तरह होते हैं।
अगर आप उन्हें ज़्यादा ज़ोर से
दबोचेंगे तो वे मर जाएँगे पर
अगर आप उन्हें ढीला
छोड़ देंगे तो वे उड़ जाएँगे।
ज़रूरी है इन्हें ठीक से संभालने की...
यक़ीनन वे आजीवन साथ देंगे।

जीवन में कुछ भी, बिना कारण नहीं होता।
एक व्यक्ति जो आपके जीवन में आता है;
वह आपको कुछ सिखा जाता
या फिर आपसे कुछ सीख जाता है।

अच्छे व्यक्ति का जीवन गोलकीपर की तरह होता है।
यह कोई याद नहीं रखता कि आपने कितने गोल रोके,
यह सभी याद रखते हैं कि
आप कितने गोल नहीं रोक पाए।

छोटा दुःख - बड़ी बात

अगर आपका नज़रिया
सकारात्मक है,
तो आप इस दुनिया में
सभी मनुष्यों को पसंद करेंगे,
और अगर आपकी वाणी
सकारात्मक है
तो इस दुनिया के सभी मनुष्य
आपको पसंद करेंगे।

प्रसन्न जीवन के लिये इस नियम का पालन कीजिये...
जब ग़ुस्सा आए, तब चुप रहिये
और उन शब्दों को महत्व बिल्कुल मत दीजिये,
जो दूसरों ने ग़ुस्से में कहे हैं।

रास्ता ख़ूबसूरत हो तो
पहले यह पता लगा लें कि मंज़िल कैसी है
और अगर मंज़िल ख़ूबसूरत हो तो
यह चिंता छोड़ दें कि रास्ता कैसा है।

एक छतरी बरसात तो नहीं
रोक सकती पर बरसात से
सुरक्षा प्रदान कर ही देती है...
इसी तरह आत्मविश्वास
आपकी सफलता की
ग्यारंटी तो नहीं है किंतु
वह आपको परिस्थिति से
जूझने में जज़्बा ज़रूर दे देता है।

एक व्यक्ति की क्षमता इससे नहीं आँकी जा सकती
कि वह सम स्थिति में कैसा व्यवहार करता है
उसकी क़ाबिलियत इससे आँकी जाती है
कि वह विषम परिस्थिति का सामना कैसे करता है।

दुनिया में सबसे ज़्यादा हौसला देने वाला वाक्य
'....पर मैं तुम्हारे साथ हूँ'
दुनिया में सबसे ज्यादा निराशा देने वाला वाक्य
'मैं तुम्हारे साथ हूँ... पर'
एक शब्द की जगह बदलने से पूरे वाक्य के मायने बदल जाते हैं।

छोटा दुःख - बड़ी बात

ज़िंदगी की ख़ूबसूरती यह नहीं कि
आप कितने ख़ुश हैं
ज़िंदगी की ख़ूबसूरती यह है कि
दूसरे आपसे कितने ख़ुश हैं...

लोग तो हमेशा
रास्ते में पत्थर फेकेंगे ही;
यह आप पर निर्भर है कि
आप उससे दीवार बनाते हैं या पुल!

अब तो दिन सीधे रात में ही जाकर रुकता है,
मुझे अच्छे से याद है एक शाम भी होती थी।

ज़िंदगी एक यात्रा है
जिसमें हमें
बिना किसी नक़्शे के
अपनी मंज़िल तक
पहुँचना होता है।

क़ामयाबी को दिमाग़ में और
नाकामी को दिल में जगह न दें
क्योंकि क़ामयाबी दिमाग़ में घमंड और
नाकामी दिल में मायूसी पैदा कर देती है।

किसी लेक्चर के आख़िरी पाँच मिनट
दुनिया के सबसे लम्बे पाँच मिनट हैं,
जबकि किसी इम्तेहान के आख़िरी पाँच मिनट
दुनिया के सबसे छोटे!

छोटा दुःख - बड़ी बात

जिस दिन आप बहाने बंद कर
अपनी विफलता की
ज़िम्मेदारी लेते हैं;
उसी दिन आप शिखर की ओर
यात्रा शुरू कर देते हैं।

हवा में जो काग़ज़ उड़ता है यह उसकी क़िस्मत है।
हवा में पतंग जो उड़ती है यह तुम्हारी मेहनत है।
चिंता न करो अगर क़िस्मत आपका साथ न दे;
मेहनत तो हमेशा आपकी ही है।

विजेता टीम उन लोगों का समूह होता है
जो कि भले ही शिक्षा, प्रस्तुति, अनुभव और प्रतिभा में
समान नहीं परन्तु अपनी प्रतिबद्धता में
सदैव एकजुट होते हैं।

छोटा दुःख - बड़ी बात

भाग्यशाली लोगों को
अवसर मिल जाता है,
बहादुर लोग
अवसर पैदा कर लेते हैं
पर विजेता वे कहलाते हैं
जो मुसीबतों में से भी
अवसर ढूँढ निकालते हैं।

ऐसा नहीं कि चीज़ें कठिन हैं
इसलिए हम जोखिम उठाने से डरते हैं,
सच तो यह है कि हम कोई जोखिम उठाते ही नहीं
इसलिए चीज़ें कठिन हो जाती हैं।

रोशनी की रफ़्तार आवाज़ से तेज़ होती है
इसीलिए कुछ लोग
केवल तब ही चमकते दिखाई देते हैं
जब तक वे अपना मुँह नहीं खोलते।

छोटा दुःख - बड़ी बात

जापान के एक बस स्टैण्ड
पर लिखी प्रेरक पंक्ति...
यहाँ सिर्फ़ बस इंतज़ार करती है
समय नहीं;
अतः चलते रहें और
अपना लक्ष्य प्राप्त करें।

प्रतिदिन कुछ ऐसा पढ़ें जिसका ताल्लुक
आपकी नौकरी या कारोबार से न हो।
ऐसा करने से ही आप
दुनिया-जहान से जुड़ पाएँगे।

सफल होने के लिए
क्या चाहिए ?
बस विफल होने की हिम्मत रखने वाला
एक कलेजा !

छोटा दुःख - बड़ी बात

यदि आप ग़लतियाँ
नहीं कर रहे हैं
तो इसका मतलब है
आप शत-प्रतिशत
प्रयास नहीं कर रहे हैं।

यह सच नहीं कि बूढ़े
हँसना छोड़ देते हैं।
सत्य यह है कि जब लोग हँसना छोड़ देते हैं
तब बूढ़े हो जाते हैं।

दो चीज़ें आपकी कमज़ोरी बताती हैं;
एक- जब आपको कुछ बोलना चाहिए था तब आप शांत रहे,
दो- जब आपको शांत रहना था तब आप बोले।

अच्छी डिग्री और एकेडमिक्स का
अपना बोलबाला है।
लेकिन यह भी तय है कि
आने वाले वक़्त में यह भी देखा जाएगा
कि आप इन्सान कैसे हैं।

ख़्वाहिश सबकी है कि रिश्ते सुधारें,
पर चाहत सबकी ये है कि शुरूआत उधर से हो

अगर किसी मकसद के लिये खड़े हैं तो एक पेड़ की तरह रहें
और गिरें तो एक बीज की तरह
ताकि दोबारा उगकर
उसी मकसद के लिये जंग लड़ सकें।

छोटा दुःख - बड़ी बात

यह महत्वपूर्ण नहीं है कि
आपके हाथों में
हमेशा अच्छे पत्ते हों,
महत्वपूर्ण यह है कि
आप उन पत्तों से
कितना अच्छा खेलते हैं,
जो कि आपके हाथों में हैं।

पर्वत कुछ नहीं है
बस, पत्थरों की एकता है....

बीते कल मैं साहसी था;
दुनिया को बदलना चाहता था।
आज मैं समझदार हो गया हूँ;
अपने आप को बदल रहा हूँ।

छोटा दुःख - बड़ी बात

रिश्ते और रास्ते
एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।
कभी-कभी रिश्ते निभाते-निभाते
रास्ते खो जाते हैं और
कभी रास्ते पर चलते-चलते
रिश्ते बन जाते हैं।

अगर आप एक निर्णय लेने में
बेहद समय लगाते हैं तो याद रखिये...
एक सही निर्णय भी ग़लत हो जाता है
अगर वह देरी से लिया गया हो।

युवावस्था में बहाई गई
पसीने की एक बूँद
बुढ़ापे के आँसुओं की दस बूँदों को
कम कर देती है।

छोटा दुःख - बड़ी बात

जब आपका समय
अनुकूल हो तब
आपकी ग़लती को भी
लतीफ़ा माना जाता है
जबकि प्रतिकूलता में
लतीफ़े को भी ग़लती
माना जाता है।

ये दुनिया एक पुल है,
इस पर मकान बनाने की कोशिश मत करिए-बस गुज़र जाइये,
पीछे और भी लोग आ रहे हैं।

नफ़रतों के शहर में अपने-अपने खेमे हैं
यहाँ वो लोग रहते हैं जो
तेरे मुँह पर तेरे हैं
मेरे मुँह पर मेरे हैं

छोटा मुँह - बड़ी बात

अपने भगवान को
यह मत बताइये कि
आपकी तकलीफ़ कितनी बड़ी है,
तकलीफ़ को बताइये कि
आपका भगवान कितना बड़ा है।

दो बातें जीवन के प्रति
आपकी सोच बदल देती है-

1. तब-आप ख़ुद के लिये क्या सोचते हैं जब-आपके पास कुछ नहीं होता !
2. तब-आप दूसरों के लिये क्या सोचते हैं जब-आपके पास सब कुछ होता है।

विज्ञान कहता है ज़ुबान पर लगी चोट
सबसे जल्दी ठीक होती है।
ज्ञानी कहते हैं ज़ुबान से लगी चोट
कभी ठीक नहीं हो सकती।

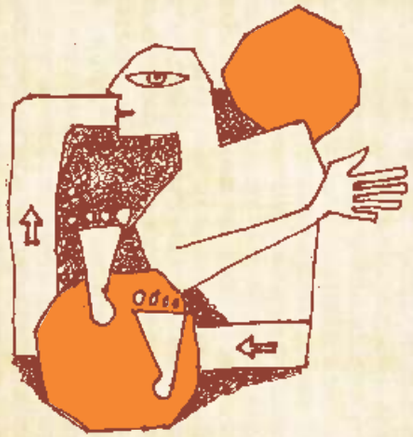

मुझे पत्थरों के बारे में
एक चीज़ पसंद है...
जो भी पत्थर मेरी राह में आए
और अगर मैं उनकी परवाह
ना कर आगे निकल गया
वे अपने आप मेरी राह के
मील के पत्थर बन गए।

सूर्योदय के एक मिनट पहले
रात का अंधेरा सबसे घना होता है।
आपके जीवन में भी जब ज़्यादा अंधेरा छा जाए
तो समझ लीजिये सूर्योदय होने ही वाला है।

जीवन के दो सर्वोत्तम दिन-
पहला वह जिस दिन आप पैदा हुए।
दूसरा वह, जिस दिन आपने साबित कर दिया
कि आप क्यों पैदा हुए।

छोटा दुःख - बड़ी बात

हमेशा स्मरण रखें–
अनुचित आलोचना परोक्ष रूप में
आपकी प्रशंसा ही है।
ध्यान रखें कि कोई भी मृत कुत्ते
को लात नहीं मारता।

– डेल कारनेगी

अपने माता-पिता के चेहरे की मुस्कुराहट
संसार की सबसे बड़ी ख़ुशी के पल होते हैं।
उससे भी ज़्यादा बड़ी ख़ुशी तब मिलती है जब आपको
मालूम पड़ता है कि इस मुस्कुराहट की वजह आप हैं।

तजुर्बा इन्सान को
ग़लत फ़ैसले लेने से बचाता है
लेकिन तजुर्बा ग़लत फ़ैसलों
से ही हासिल होता है।

खेल दुँह - बड़ी बात

हम सिर्फ़ सफलताओं
से ही नहीं बनते!
हमारा निर्माण
असफलताओं ने किया है।

ख़ुशी उन्हें नहीं मिलती
जो अपनी शर्तों पर ज़िंदगी जीते हैं।
सच्ची ख़ुशी उन्हें मिलती है
जो दूसरों की ख़ुशी के लिए
अपने जीने का तरीका और शर्तें बदल देते हैं।

'अपना ख़याल रखें' सुनना अच्छा लगता है।
यह सुनकर कुछ और अच्छा लगता है
जब कोई कहता है
अपना ख़याल रखिएगा मैं आपके साथ हूँ।

छोटा दुःख - बड़ी बात

जब आप एकांत में हों तो
अपने विचारों के प्रति
बेहद सावधान रहिए।
जब आप भीड़ में हों तो
अपने शब्दों के प्रति
बेहद सतर्क रहिए।

जब आप सही हैं
तब क्रोध करने का कोई मतलब नहीं।
जब आप ग़लत हैं
तो क्रोध करने का आपको कोई अधिकार नहीं।

रिश्तों को मज़बूती देने के
दो अचूक सूत्र-
जब भी आप ग़लती पर हों, स्वीकार कर लीजिए
और जब भी आप सही हों, शांत रहिए।

छोटा दुःख - बड़ी बात

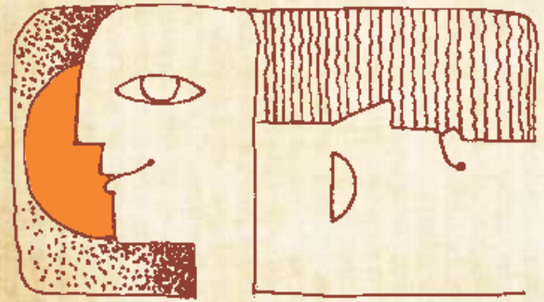

ज़हर कभी सकारात्मक
सोच वाले को नहीं मार सकता।
दवाई कभी नकारात्मक
सोच वाले को ठीक
नहीं कर सकती।

अगर कोई कुछ भी कर सकता है
तो आप भी कर सकते हैं।
यदि कोई बिल्कुल नहीं कर सकता तो जान लीजिए
यह आपके लिए एक स्वर्णिम अवसर है।

अवसर यदि दस्तक दे तो उसे तत्काल भुना लीजिए
वह ऐसी बर्फ़ है जिसके बारे में
ज़्यादा सोचने से वह पिघल जाती है।

भारत रत्न
डॉ. ए.पी.जी. अब्दुल क़लाम
ने कहा था...
बर्थडे जीवन का वह एकमात्र
दिन है जब आपके रोने पर
आपकी माँ मुस्कराई थी।

असली अमीरी यह नहीं कि आप ज़्यादा कमा रहे हैं,
ज़्यादा ख़र्च कर रहे हैं या ज़्यादा बचा रहे हैं।
असली अमीरी वह है जब आपके पास संतोष है
और आपको कुछ नहीं चाहिए।

झरनों से मधुर संगीत न सुनाई देता
अगर राहों में उनके पत्थर ना होते

बहादुरी का प्रदर्शन
सिर्फ़ गरजने से नहीं होता,
कभी-कभार बहादुरी से
हार मानते हुए पूरे धैर्य के साथ
यह भी कहना होता है कि
मैं फिर से प्रयत्न करूंगा।

यह न सोचो कि ईश्वर दुआ को
फ़ौरन क़ुबूल क्यों नहीं करता।
शुक्र कीजिए कि ईश्वर आपके
गुनाहों की सज़ा फ़ौरन नहीं देता।

जब औरों की मुश्किलें
आपको अपनी लगनी लगे
तो समझ लीजिएगा कि
आपको जीना आ गया है।

छोटा दुःख - बड़ी बात

रतन टाटा ने कहा था कि
मैं सही निर्णय लेने में
विश्वास नहीं रखता बल्कि
मैं जो निर्णय लेता हूँ
उन्हें सही बनाने में
विश्वास रखता हूँ।

कुछ देरी की ख़ामोशी से
नाराज़ियाँ मिट जाती हैं।
ग़लतियों पर तत्काल बात करने से
रिश्ते उलझ जाते हैं।

मुस्कुराकर देखिए तो
सारा जहान रंगीन है।
भीगी पलकों से तो
आईना भी धुंधला दिखाई देता है।

छोटा दुःख - बड़ी बात

स्वामी विवेकानंद से
किसी ने पूछा
इस दुनिया में हारने से भी
ज़्यादा बुरा क्या है?
स्वामीजी ने कहा...
फिर से जीतने का
विश्वास खोना।

जब पैसा बोलता है तो कोई नहीं देखता
कि उसकी भाषा और व्याकरण क्या है।

दरिया बनकर किसी को डुबाना बहुत आसान है।
ज़रिया बनकर किसी को बचाइये तो बात बने।

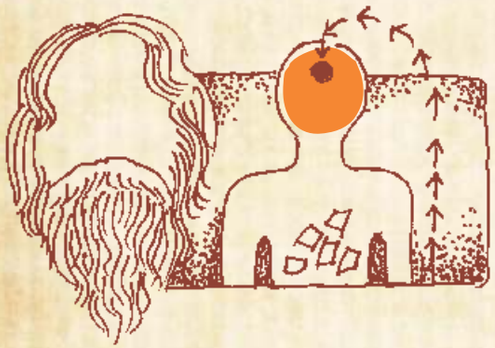

विचार जब स्वभाव
के साथ घुल-मिल कर
एक हो जाते हैं
तब वह आचरण
बन जाते हैं।

\- टैगोर

तेज़ आँधियों से बचाव के लिए कुछ लोग दीवार बनाते हैं।
पर कुछ लोग उसी आँधी में पवन चक्की लगा लेते हैं,
ऊर्जा पैदा करने के लिए...
यही वह नज़रिया है जो कि अंतर पैदा करता है।

'पानी' और 'शब्द' आसानी से बह जाते हैं।
इन्हें बाद में संभालना नामुमकिन है।

दुनिया रैफ़री बनकर
आपकी जीत
तय करती जाएगी,
शर्त बस एक ही है...
आप खेलते रहें।

एक पेड़ से लाखों माचिस की तीलियाँ बन सकती हैं
किन्तु उनमें से सिर्फ़ एक तीली लाखों पेड़ जला सकती है...
इसी तरह सिर्फ़ एक नकारात्मक ख़याल
आपके लाखों सपने जला सकता है।

जीवन में ज़रूरत नहीं है तोता बनने की,
जरूरत है बाज़ बनने की...
तोता बोलता तो बहुत है पर ऊँचा नहीं उड़ सकता
बाज़ चुप रहता है और आसमान छूकर दिखा देता है।

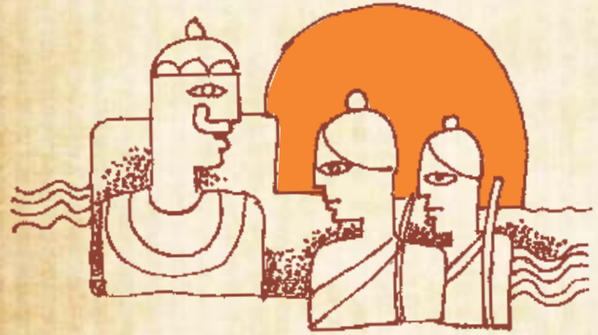

रावण ने अंतिम साँसे लेते हुए
श्रीराम से कहा 'मैं तुमसे श्रेष्ठ था
फिर भी युद्ध हार गया
क्योंकि तुम्हारा भाई
लक्ष्मण तुम्हारे साथ था और
मेरा भाई विभीषण मुझसे दूर'।

सरल और सपाट रास्ते कभी भी आपको अच्छा ड्रायवर नहीं बना सकते,
साफ़ आकाश आपको कभी कुशल पायलेट नहीं बना सकता,
इसलिये भगवान से कभी न कहें Why me
हमेशा कहें Try me.

सफलता और बहाने एक साथ नहीं चल सकते।
अगर आपके पास बहाने हैं तो सफलता को भूल जाइये
और अगर आप सफलता चाहते हैं
तो बहानों को भूल जाइये।

छोटा दुःख - बड़ी बात

दो बार असफल रहने पर
एडमंड हिलेरी ने एवरेस्ट की चोटी
से कहा कि मैं फिर आऊँगा तुम्हें
जीतने के लिये क्योंकि पहाड़
होने के कारण तुम और ऊँचे नहीं
हो सकते पर मनुष्य होने के
कारण मैं तो हो सकता हूँ।

चूहे और बिल्ली के बीच चलने वाली दौड़ में
अधिकांश बार चूहा जीत जाता है;
क्योंकि बिल्ली दौड़ रही होती है अपना भोजन जुटाने के लिये
और चूहा दौड़ रहा होता है अपनी ज़िंदगी बचाने के लिये।
याद रखिये आवश्यकता की तुलना में
अभिप्राय या उद्देश्य हमेशा ज़्यादा महत्वपूर्ण होता है।

“
कौन-सी बात कहाँ, कैसे कही जाती है
ये सलीक़ा हो तो हर बात सुनी जाती है
”

-प्रोफेसर वसीम बरेलवी

हर आयोजन के लिए सर्वश्रेष्ठ उपहार है पुस्तक

हमारा परिवेश और जनमानस उत्सवों और मंगल प्रसंगों से लकदक रहता है। गाहे-बगाहे आपको किसी न किसी कार्यक्रम के लिए एक आकर्षक उपहार दरकार होता है। प्रियजनों के जन्मदिन, विवाह समारोह, विवाह वर्षगाँठ, अभिभावकों के जन्मोत्सव या बेटे-बेटी के विवाह में आए गणमान्य अतिथियों को भेंट करने के लिए पुस्तक से बेहतर और कोई उपहार नहीं हो सकता। सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक समागमों और सम्मेलनों में भी अब बुके की जगह बुक का प्रचलन बढ़ता जा रहा है।

यदि आपको लगता है कि पिता की महानता को समर्पित यह पुस्तक किसी भी शुभ स्मृति प्रसंग के उपहार के रूप में आप भेंट करना चाहते हैं तो हमें अवश्य संपर्क कीजिए। ध्यान रहे इसके पीछे हमारा कोई व्यवसायिक हेतु नहीं है। बस हम तो चाहते हैं कि बदलते ज़माने में भी पुस्तक और उसको पढ़ने-पढ़ाने का सिलसिला क़ायम रहे। **आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि आपकी सद्भावना का सम्मान करते हुए यदि आपसे इस पुस्तक के लिए 50 से अधिक प्रतियों का ऑर्डर हमें मिलता है तो उसके लिए लागत मूल्य पर पुस्तकें उपलब्ध होंगी।**

पिता के प्रति अपनी पावन आदरांजली के रूप में इस प्रकाशन की संयोजना की गई है। आपके सहभाग से इस पुस्तक में निहित भावनाओं को निश्चित ही विस्तार मिलेगा।

:: संपर्क ::

आलोक सेठी
हिन्दुस्तान अभिकरण, पंधाना रोड, खण्डवा (म.प्र.)
फोन : 0733-2223003, 2223004, मोबाइल : 094248-50000

संजय पटेल
एडराग, 3/1 ओल्ड पलासिया, इन्दौर (म.प्र.)
मोबाइल : 9752526881